aglasem.com

HBSE MODEL PAPER 2024



Practice Papers

MODEL PAPERS

Marking Scheme

ANSWER KEY

schools.aglasem.com

SOCIALSCIENCE - IX

Step wise Marking Scheme (Answer key)-

1. A) Sept 11,1893AD (page7, ch1, history)

   A) Sept 11,1893ई

2. C) A.O. Hume (page33,ch3,history)

   C) ए ओ ह्यूम

3. B) Punjab (page51, ch4, history)

   B)पंजाब

4. C) 1946AD(page103, ch7, history)

. C) 1946ई

5. B) 1938AD (page132,ch9,history)

   B)1938ई

6. C) Chaudhary Chhotu Ram (page134,ch9,history)

   C)चौधरी छोटू राम

7. C) 1958-1961 (ch-what is democracy ? why Democracy ? ,political science)

   C) 1958-1961ई

8. A) Those Elected by the People(ch-what is democracy ? why Democracy ? ,political science)

   A) लोगो द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि के पास

9. B) 1950 (ch-what is democracy ? why Democracy ? ,political science)

   B) 1950ई

10. C) Home Minister (exercises, ch-Working of Institution, political science)

    C) गृह मंत्री

11. D) India (ch- Constitutional design , political Science)

    D) भारत

12.C) The President of India (ch-Electoral Politics, PoliticalScience)

C) भारत के राष्ट्रपति

13. A) Both a and b are true (ch-Democratic Rights , political science)

A) a और **b** दोनों सही है

14. B) 1972 (page48,ch5, geography)

B) 1972

15. C) Tapi (page21, ch3, geography)

C) तापी

16. A) Bihar (page54, ch6, geography)

A) बिहार

17 .D) All of these (page2, ch1, economics)

D) ये सभी

18. A) Primary Activity (page1,ch1, economics)

A) प्राथमिक

19. C) Both A and B(page5,ch1, economics)

C) A और **B** दोनों

20. B) 2000(page 39,ch 3, economics)

B) 2000ई

21.By Swami Dayanand Saraswati in 1875AD, (page 4 ,ch-1, history)

आर्य समाज की स्थापना स्वामी दयानंद सरस्वती ने 1875ई में की |

22. a. Struggle for the Independence of India . (ch-4 ,page-56, history)

b. The youth were called upon to join revolutionary activity

भारत की आज़ादी के लिए संघर्ष |

नवयुवको को क्रन्तिकारी गतिविधियों में शामिल करना |

23. Official Enumeration of Population done periodically i.e. every 10 years . (page53, ch6, geography)

एक निश्चित समयांतराल में जनसँख्या की आधिकारिक गणना , 'जनगणना' कहलाती है |

24. Bio reserve is a protected area for plant and animal species and their Ecosystem. Examples are Nanda Devi, Sundarbans (Page52, ch5, geography)

जीवो एवं वनस्पति के सरंक्षण के लिए एक प्राकृतिक आवास | उदाहरण- नंदा देवी , सुंदरबन

25. A set of norms and guidelines to be followed by Political parties and Contesting Candidates during Election time. (Page74,ch3, political science).

चुनाव के समय पार्टी और उम्मीदवारों द्वारा माने जाने वाले कायदे-कानून और दिशा निर्देश |

26. The food procured by the FCI is distributed through govt. Regulated ration shops among the poorer sections of the society.(page47,ch4,economics)

भारतीय खाद्य निगम द्वारा अधिप्राप्त अनाज को सरकार विनियमित राशन दुकानों के माध्यम से समाज के गरीब वर्गों में वितरित करती है |

27. Case study(page98,ch5, political science)

27.1 Monarchy

राजशाही शासन

27.2 Islam (muslim)

इस्लाम (मुस्लिम)

27.3 No

नहीं

27.4 A) Freedom of speech and expressions

अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता

28. Case study (page17,ch2, economics)

28.1. B)Housewife

गृहणी

28.2 True , सही

28.3 He raised a loan for Sakal to study a Vocational course in computers.

उन्होंने सकल के लिए कंप्यूटर के व्यावसायिक कोर्स में अध्ययन के लिए क़र्ज़ लिया |

28.4 Sakal designed a new software which increased the sale of the Firm.

उसने एक नए प्रकार के सॉफ्टवेयर को डिजाईन किया | इस सॉफ्टवेयर से फर्म को अपनी बिक्री बढाने में सहायता मिली |

29.a. Gandhiji believed in the policy of Non violence but Netaji was in favour of launching the freedom struggle .

b. Netaji criticised Gandhi ji for Gandhi-Irvin pact and showed sympathy towards Revolutionaries. (Page96,97, ch-7,history.)

गाँधी जी अहिंसा की नीति में विश्वास रखते थे जबकि नेताजी सरकार को समयबद्ध चेतावनी देकर स्वंतंत्रता संघर्ष छेड़ने के पक्षधर थे |

गाँधी इरविन समझौते के समय नेताजी ने गांधीजी की आलोचना की तथा क्रांतिकारियों के प्रति सहानुभूति प्रदर्शित की |

30.Newspapers such as 'Bangdoot', 'Samvaad Kaumudi' published by Raja Ram Mohan Roy. 'Bengal□', 'Kesari' , 'The Hindu', 'Young India' were published. Published criticism of British Govt, Democratic Ideas and Spirit of Freedom.(page 26, ch2 ,history)

राजा राम मोहन रॉय द्वारा प्रकाशित 'बंगदूत' , 'संवाद कौमुदी' ,बंगाली केसरी दि हिन्दू यंग इंडिया प्रकाशित हुए | इन समाचार पत्रों ने अंग्रेजी सरकार की आलोचना प्रकाशित की एवं लोकतान्त्रिक विचारो एवं स्वन्तन्त्रता की भावना को लोगो में लोकप्रिय बनाया |

31.The longitudinal extent of India from Gujrat to Arunachal Pradesh is about 30degrees. There is time lag of two hours. Hence time along 82degree30minutes East is taken as standard time for the whole country. (Page 2, ch1,Geography.

गुजरात से अरुणाचल प्रदेश तक देशांतर का विस्तार लगभग 30 डिग्री है| इनके स्थानीय समय में 2 घंटे का अंतर है | अतः 82डिग्री 30 मिनट पूर्व देशांतर रेखा को भारत की मानक याम्योत्तर माना गया है |

32. Trade Winds blowing from Sea to Land .Depressions and Cyclones along the Coromandel Coast.(Page 31,35, ch4 , Geography.)

व्यापारिक पवनो के कारण कुछ मात्रा में वर्षा तमिलनाडु के तट पर होती है |

कोरोमंडल तट पर अधिकतर वर्षा चक्रवातो या अवदाबो से होती है |

33.The system of Apartheid divided the people and labelled them on the basis of their skin Colour.The White rulers treated all non-whites as inferiors.Non –whites did not have voting Rights.(ch2,constitutional design , political science)

रंगभेद की राजनीति ने लोगो को उनकी चमड़ी के रंग के आधार पर बाँट दिया | गोरे शासक, गोरो के आलावा शेष सब को छोटा और नीचा मानते थे |इन्हे वोट डालने का अधिकार भी नहीं था |

Q34 to Q37 – Teacher will check accordingly judgement and understanding(value point based).

अध्यापक अपने विवेक से उत्तर की जांच करे | (मूल्य बिंदु अनुसार)

Q38 Map

मानचित्र

History इतिहास

a. Madras (Chennai)

   मद्रास (चेन्नई)

b. Hyderabad

   हैदराबाद

Geography भूगोल

a. Nilgiri hills

   निलगिरी की पहाड़िया

b. Chilika lake (Odisha coast)

   चिलिका झील (ओडिशा तट)

c. Bihar

   बिहार

MARKING SCHEME

CLASS- X

SOCIAL SCIENCE (2023-24)

Q.No	Questions Answers	Marks
1	C.1921-22 C.1921-22	1
2	D. All of The Above D) उपरोक्त सभी	1
3	c) Pharaoh c) फ़राओ	1
4	d) Non-renewable d) गैर-नवीकरणीय	1
5	b) Narmada b) नर्मदा	1
6	c) Jute c) जूट	1
7	b) 1948 ख) 1948	1
8	A. India A.भारत	1
9	c) Agriculture c) कृषि	1
10	b) 1995 b) 1995	1
11	a. Dayaram Sahni ए. दयाराम साहनी	1
12	b.Knowledge बी ज्ञान	1

13	c. Mohamud सी महमूद	1
14	d.All of these डी. ये सभी	1
15	c.April 2006 c.अप्रैल 2006	1
16	d.Communist Party डी.कम्युनिस्ट पार्टी	1
17	b.USA and UK बी.USA और UK	1
18	a.USA ए.यूएसए	1
19	b. Public Sector c. बी. सार्वजनिक क्षेत्र	1
20	b.1986 बी.1986	1
21	Ans. The main features of Urban Planning of Saraswati-Sindhu Civilization were as follows: 1) These cities were situated on the banks of the river. 2) The cities were divided into two parts viz.citadel and lower town. 3) Roads were broad and cut across on angle of 90. (Any two points) उत्तर. सरस्वती-सिंधु सभ्यता के नगर नियोजन की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार थीं: 1) ये शहर नदी के किनारे बसे हुए थे। 2) नगरों को दो भागों में विभाजित किया गया था अर्थात् दुर्ग और निचला नगर। 3) सड़कें चौड़ी थीं और 90 के कोण पर कटी हुई थीं। (कोई दो बिंदु)	2
22	Ans. The four Noble truths of Gautam Buddha are as follows: 1. Sorrows or Pain : In the world,life-death,profit-loss,success-failure,all are sorrows and pains. 2. Cause of sorrow: The cause of sorrows and sufferings in the world is greed,lust and craving.	2

	3. Control of sorrow: The only way to get rid of sorrows is abstinence. 4. Path of Liberation: eight-fold path to be followed. उत्तर. गौतम बुद्ध के चार आर्य सत्य इस प्रकार हैं: 1. दु:ख या पीड़ा : संसार में जीवन-मरण, लाभ-हानि, यश-अपयश सब दुख-दर्द हैं। 2. दुख का कारण : संसार में दुखों और कष्टों का कारण लोभ, वासना और तृष्णा है। 3. दुखों पर नियंत्रण : दुखों से मुक्ति का एक मात्र उपाय संयम है। 4. मुक्ति का मार्ग: अनुसरण करने के लिए आठ गुना मार्ग	
23	Ans. Power sharing means the distribution of power among the organs of the government such as the legislature, executive, and judiciary. Power sharing helps in achieving the stability of political order. In power-sharing, power might even be shared at distinct levels such as union, state and local. उत्तर. सत्ता के बंटवारे का अर्थ सरकार के अंगों जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्ति का वितरण है। सत्ता की साझेदारी राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता प्राप्त करने में मदद करती है। सत्ता-साझाकरण में, शक्ति को संघ, राज्य और स्थानीय जैसे विभिन्न स्तरों पर भी साझा किया जा सकता है।	2
24	**These steps can be taken to control soil erosion in hilly areas** 1. (i) Plowing along the contour lines decreases the speed of water flow down the slopes. 2. (ii) terrace cultivation on slopes decreases erosion. 3. (iii) Strip cropping: large fields are divided into strips. ... 4. (iv) Shelter plantation: here Tree are planted in rows. पहाड़ी क्षेत्रों में मिट्टी के कटाव को नियंत्रित करने के लिए ये कदम उठाए जा सकते हैं 1. (i) समोच्च रेखाओं के साथ-साथ जुताई करने से ढलानों के नीचे जल प्रवाह की गति कम हो जाती है। 2. (ii) ढलानों पर सीढ़ीदार खेती से अपरदन कम होता है। 3. (iii) पट्टीदार फसलें: बड़े खेतों को पट्टियों में बांटा जाता है। ... 4. (iv) आश्रय वृक्षारोपण: यहाँ पेड़ों को पंक्तियों में लगाया जाता है।	2
25	Answer: Metallic Minerals are minerals in which metal elements are present in their raw form. Non-metallic minerals do not contain any metal substances in them. When metallic minerals are melted a new	2

	product is formed. In the case of non-metallic minerals, you don't get any new product after such a process. धात्विक खनिज वे खनिज होते हैं जिनमें धातु तत्व अपने कच्चे रूप में उपस्थित होते हैं। अधात्विक खनिजों में कोई धातु पदार्थ नहीं होता है। जब धात्विक खनिजों को पिघलाया जाता है तो एक नया उत्पाद बनता है। अधात्विक खनिजों के मामले में ऐसी प्रक्रिया के बाद आपको कोई नया उत्पाद नहीं मिलता है।	
26	Answer : Barter system was a system of exchange where goods were exchanged for goods and there was no common medium of exchange in the economy. Under this system, people exchanged commodities for commodities to satisfy their wants. वस्तु विनिमय प्रणाली विनिमय की एक प्रणाली थी जहाँ वस्तुओं का वस्तुओं के बदले विनिमय किया जाता था और अर्थव्यवस्था में विनिमय का कोई सामान्य माध्यम नहीं था। इस प्रणाली के तहत, लोगों ने अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए वस्तुओं का आदान-प्रदान किया।	2
27	i Tertiary Sector .ii Tertiary Sector .iii The value of final goods and services produced in each sector during a particular year provides the total production of the sector for that year. .iv Central Government Ministry. .i तृतीयक क्षेत्र .ii तृतीयक क्षेत्र .iii किसी विशेष वर्ष के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं का मूल्य उस वर्ष के लिए क्षेत्र का कुल उत्पादन प्रदान करता है। .iv केंद्र सरकार मंत्रालय।	4
28	i) C .it is the very spirit of democracy. ii) C. Sinhala iii) B.1948 iv) 1980s i) C. यह लोकतंत्र की आत्मा है। ii) सी सिंहल iii) बी.1948 iv) 1980 के दशक	4
29	**Disadvantages of multipurpose river projects:** • Affect the natural flow of rivers causing poor sediment flow. • Excessive sedimentation at the bottom of the reservoir, resulting in rockier stream beds and poorer habitats for the aquatic life of rivers. • Makes it difficult for aquatic fauna to migrate, especially for	3

	spawning, submersion of the existing vegetation and soil leading to its decomposition over a period of time. • Multi-purpose projects and large dams have also been the cause of many new environmental movements like the Narmada Bachao Andolan and the Tehri Dam Andolan etc. (Any 3 Points) बहुउद्देशीय नदी परियोजनाओं के नुकसान: • नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को प्रभावित करता है जिससे तलछट का बहाव कम होता है। • जलाशय के तल पर अत्यधिक अवसादन, जिसके परिणामस्वरूप नदियों के जलीय जीवन के लिए रॉकियर स्ट्रीम बेड और गरीब आवास हैं। • जलीय जीवों के लिए पलायन करना मुश्किल बनाता है, विशेष रूप से अंडे देने के लिए, मौजूदा वनस्पति और मिट्टी के जलमग्न होने के कारण समय की अवधि में इसका अपघटन होता है। • बहुउद्देश्यीय परियोजनाएं और बड़े बांध भी नर्मदा बचाओ आंदोलन और टिहरी बांध आंदोलन आदि जैसे कई नए पर्यावरणीय आंदोलनों का कारण रहे हैं। (कोई 3 बिंदु)	
30	Answer. Similarities in Christianity and Islam are as follows: 1. Both believe that God lives in Heaven. 2. Both believe that the soul is born only once. After death, it starts living in heaven or hell. 3. Both believe that one day the world will end and they will be given heaven or hell on that day. 4. Islam and Christianity only consider their own point of view is correct. उत्तर। ईसाई धर्म और इस्लाम में समानताएं इस प्रकार हैं: 1. दोनों मानते हैं कि ईश्वर स्वर्ग में रहता है। 2. दोनों का मानना है कि आत्मा का जन्म एक ही बार होता है। मरने के बाद वह स्वर्ग या नर्क में रहने लगता है। 3. दोनों का मानना है कि एक दिन दुनिया खत्म हो जाएगी और उस दिन उन्हें स्वर्ग या नरक दिया जाएगा। 4. इस्लाम और ईसाइयत सिर्फ अपनी बात को ही सही मानते हैं।	3
31	Before 1992: i It was directly under the control of the State Government. ii Elections were not held regularly. iii Elections were controlled by the State Governments. After 1992: i Local Governments have got some powers to collect some taxes on their own. ii. it became mandatory to hold regular elections in every 5 years. iii. 33% of total seats were kept reserved for women.	3

	1992 से पहले: i यह सीधे राज्य सरकार के नियंत्रण में था। ii चुनाव नियमित रूप से नहीं होते थे। iii चुनावों को राज्य सरकारों द्वारा नियंत्रित किया जाता था। 1992 के बाद: i स्थानीय सरकारों को अपने दम पर कुछ कर वसूलने की कुछ शक्तियाँ मिली हैं। ii. हर 5 साल में नियमित चुनाव कराना अनिवार्य हो गया। iii. कुल सीटों का 33% महिलाओं के लिए आरक्षित रखा गया था।	
32	The transfer of wealth from India to England for which Indian got no proportionate economic return, is called the Drain of Wealth. Till the Battle of Plassey, the European traders used to bring gold into India to buy Indian cotton and silk. However, after the conquest of Bengal, the British stopped getting gold into India. They began to purchase raw material for their industries in England from the surplus revenues of Bengal. Thus, began the process of plundering India's raw materials, resources and wealth to England. भारत से इंग्लैंड को धन का हस्तांतरण जिसके लिए भारतीयों को कोई समानुपातिक आर्थिक प्रतिफल नहीं मिला, धन का अपवाह कहलाता है। प्लासी के युद्ध तक, यूरोपीय व्यापारी भारतीय कपास और रेशम खरीदने के लिए भारत में सोना लाते थे। हालाँकि, बंगाल की विजय के बाद, अंग्रेजों ने भारत में सोना लाना बंद कर दिया। उन्होंने बंगाल के अधिशेष राजस्व से इंग्लैंड में अपने उद्योगों के लिए कच्चा माल खरीदना शुरू कर दिया। इस प्रकार, भारत के कच्चे माल, संसाधनों और धन को इंग्लैंड को लूटने की प्रक्रिया शुरू हुई।	3
33	Yes, agriculture and industries move hand-in-hand and complement each other. Both of them increase demand for each other's goods and also serve as a market for each other. For example, agro-based industries like sugar and textiles are dependent for raw materials on agriculture. Tools and implements like PVC pipes, fertilizers, pesticides, insecticides, etc. required for cultivation of a field are manufactured by industries. These products help in increasing the productivity of farmers. Thus, it can be said that both are dependent on each other for increasing their efficiency. हां, कृषि और उद्योग साथ-साथ चलते हैं और एक दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों एक दूसरे के सामान की मांग बढ़ाते हैं और एक दूसरे के लिए बाजार का काम भी करते हैं। उदाहरण के लिए, चीनी और कपड़ा जैसे कृषि आधारित उद्योग कच्चे माल के लिए कृषि पर निर्भर हैं। किसी खेत की खेती के लिए आवश्यक पीवीसी पाइप, उर्वरक, कीटनाशक, कीटनाशक आदि जैसे उपकरण और उपकरण उद्योगों द्वारा निर्मित किए जाते हैं। ये उत्पाद किसानों की उत्पादकता बढ़ाने में मदद करते हैं। इस प्रकार, यह कहा जा सकता है कि दोनों अपनी दक्षता बढ़ाने के लिए एक दूसरे पर निर्भर हैं।	3
34	It is defined as the integration of global economies through the movement of goods and services, cross-border trade, and so on. Positive effects of globalisation on Indian economy:	5

	• The growth of foreign investment is enormous in the country in all sectors of development. • Has a tremendous impact on the social, monetary, cultural, and political area. • Due to improvements in transportation and information technology globalisation has taken a giant leap. • With the opportunity of Special Economic Zones (SEZ), there is an increase in the number of new jobs opportunity. • Due to the skill and knowledge a foreign company offers the Indian firms are increasing the compensation which indirectly is a positive impact on globalisation. • The Indian economy and the standard of living of an individual has increased. इसे वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही, सीमा पार व्यापार आदि के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के एकीकरण के रूप में परिभाषित किया गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के सकारात्मक प्रभाव: • विकास के सभी क्षेत्रों में देश में विदेशी निवेश की वृद्धि बहुत अधिक है। • सामाजिक, मौद्रिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक क्षेत्र पर जबरदस्त प्रभाव पड़ता है। • परिवहन और सूचना प्रौद्योगिकी में सुधार के कारण वैश्वीकरण ने एक लंबी छलांग लगाई है। • विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के अवसर के साथ, नई नौकरियों के अवसरों की संख्या में वृद्धि हुई है। • एक विदेशी कंपनी द्वारा प्रदान किए जाने वाले कौशल और ज्ञान के कारण भारतीय कंपनियां मुआवजे में वृद्धि कर रही हैं जो अप्रत्यक्ष रूप से वैश्वीकरण पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। • भारतीय अर्थव्यवस्था और व्यक्ति के जीवन स्तर में वृद्धि हुई है। Or Consumer Protection Act, 1986 seeks to promote and protect the interest of consumers against deficiencies and defects in goods or services. It also seeks to secure the rights of a consumer against unfair or restrictive trade practices. **The Rights of the Consumer** • **Right to Safety-** Before buying, a consumer can insist on the quality and guarantee of the goods. They should ideally purchase a certified product like ISI or AGMARK. • **Right to Choose-** Consumer should have the right to choose from a variety of goods and in a competitive price. • **Right to be informed-** The buyers should be informed with all the necessary details of the product, make her/him act wise, and change the buying decision. • **Right to Consumer Education-** Consumer should be aware of his/her rights and avoid exploitation. Ignorance can cost them more. • **Right to be heard-** This means the consumer will get due attention to express their grievances at a suitable forum.	

	• **Right to seek compensation-** The defines that the consumer has the right to seek redress against unfair and inhumane practices or exploitation of the consumer. उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 वस्तुओं या सेवाओं में कमियों और दोषों के विरुद्ध उपभोक्ताओं के हितों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने का प्रयास करता है। यह अनुचित या प्रतिबंधात्मक व्यापार प्रथाओं के विरुद्ध उपभोक्ता के अधिकारों को सुरक्षित करने का भी प्रयास करता है। उपभोक्ता के अधिकार • सुरक्षा का अधिकार- खरीदने से पहले उपभोक्ता सामान की गुणवत्ता और गारंटी पर जोर दे सकता है। उन्हें आदर्श रूप से आईएसआई या एगमार्क जैसे प्रमाणित उत्पाद खरीदना चाहिए। • चुनने का अधिकार- उपभोक्ता को विभिन्न प्रकार की वस्तुओं में से और प्रतिस्पर्धी मूल्य में चुनने का अधिकार होना चाहिए। • सूचित किए जाने का अधिकार - खरीदारों को उत्पाद के सभी आवश्यक विवरणों के बारे में सूचित किया जाना चाहिए, उन्हें कार्यवार बनाना चाहिए, और खरीदारी के निर्णय को बदलना चाहिए। • उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार- उपभोक्ता को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए और शोषण से बचना चाहिए। अज्ञानता उन्हें अधिक महंगी पड़ सकती है। • सुने जाने का अधिकार - इसका मतलब है कि उपभोक्ता को उचित मंच पर अपनी शिकायत व्यक्त करने के लिए उचित ध्यान मिलेगा। • मुआवजा मांगने का अधिकार- यह परिभाषित करता है कि उपभोक्ता के पास अनुचित और अमानवीय प्रथाओं या उपभोक्ता के शोषण के खिलाफ निवारण का अधिकार है।	
35	• Forests in India are the home to some of the traditional communities. • To secure their own long term livelihood, local communities have been struggling to protect their habitats. • By citing the Wildlife Protection Act, villagers have fought against mining in Sariska Tiger reserve. • In the Himalayas, afforestation with indigenous species was carried out through the famous Chipko Movement. The community managed to resist the deforestation in some places. • In the state of Rajasthan (Alwar), 1200 hectares of forest have been declared as Bhairodev Dakav 'Sonchuri' by the inhabitants of five villages. They protect the wildlife against any outside encroachments with their own rules and regulations. They do not allow hunting of animals. • By avoiding the use of synthetic chemicals, diversified crop production was achieved by farmers and citizens groups like Beej Bachao Andolan in Tehri and Navdanya. • Through involvement of local communities, degraded forests have been restored and managed through the Joint Forest	5

Management (JFM) Programme.

- The first resolution for joint forest management was passed by Odisha. From 1988, this programme has been in existence.
- As per JFM, local (village) institutions are formed to undertake protection activities managed by the forest department in the degraded forests.

• भारत में वन कुछ पारंपरिक समुदायों के घर हैं।
• अपनी दीर्घकालिक आजीविका को सुरक्षित करने के लिए, स्थानीय समुदाय अपने आवासों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं।
• वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का हवाला देकर ग्रामीणों ने सरिस्का टाइगर रिजर्व में खनन के खिलाफ लड़ाई लड़ी है.
• हिमालय में, प्रसिद्ध चिपको आंदोलन के माध्यम से स्वदेशी प्रजातियों के साथ वनीकरण किया गया था। समुदाय कुछ स्थानों पर वनों की कटाई का विरोध करने में कामयाब रहा।
• राजस्थान राज्य (अलवर) में पाँच गाँवों के निवासियों द्वारा 1200 हेक्टेयर वन को भैरोदेव डाकव 'सोनचुरी' घोषित किया गया है। वे अपने स्वयं के नियमों और विनियमों के साथ किसी भी बाहरी अतिक्रमण से वन्यजीवों की रक्षा करते हैं। वे जानवरों के शिकार की अनुमति नहीं देते हैं।
• टिहरी और नवदान्य में बीज बचाओ आंदोलन जैसे किसानों और नागरिक समूहों द्वारा सिंथेटिक रसायनों के उपयोग से बचकर विविध फसल उत्पादन हासिल किया गया।
• संयुक्त वन प्रबंधन (जेएफएम) कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय समुदायों की भागीदारी के माध्यम से, बिगड़े हुए जंगलों को बहाल और प्रबंधित किया गया है।
• संयुक्त वन प्रबंधन के लिए पहला प्रस्ताव ओडिशा द्वारा पारित किया गया था। 1988 से यह कार्यक्रम अस्तित्व में है।
• जेएफएम के अनुसार, स्थानीय (ग्रामीण) संस्थानों का गठन बिगड़े हुए जंगलों में वन विभाग द्वारा प्रबंधित सुरक्षा गतिविधियों को करने के लिए किया जाता है।

OR

Oryza sativa is the scientific name of rice. This is termed the paddy. The major nutrient of rice is carbohydrates. Rice is the main food crop and vital ingredient in food in all parts of the world. Rice and its products have various importance.

Climatic conditions required for the growth of rice:

(i) It is a Kharif crop that requires a high temperature (above 25 °C).
(ii) High humidity with annual rainfall above 100 cm.
(iii) In the areas of less rainfall, it grows with the help of irrigation.
(iv) It is grown in the plains of north and north-eastern India, coastal areas and the deltaic regions.
(v) Development of a dense network of canal irrigation and tube

	wells has made it possible to grow rice in areas of less rainfall such as Punjab and Haryana. चावल का वैज्ञानिक नाम ओराइजा सैटिवा है। इसे धान कहते हैं। चावल का प्रमुख पोषक तत्व कार्बोहाइड्रेट है। चावल दुनिया के सभी हिस्सों में मुख्य खाद्य फसल और भोजन में महत्वपूर्ण घटक है। चावल और उसके उत्पादों का अलग महत्व है। चावल की वृद्धि के लिए आवश्यक जलवायु परिस्थितियाँ: (i) यह खरीफ की फसल है जिसके लिए उच्च तापमान (25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर) की आवश्यकता होती है। (ii) 100 सेमी से अधिक वार्षिक वर्षा के साथ उच्च आर्द्रता। (iii) कम वर्षा वाले क्षेत्रों में यह सिंचाई की सहायता से बढ़ती है। (iv) यह उत्तर और उत्तर-पूर्वी भारत के मैदानों, तटीय क्षेत्रों और डेल्टा क्षेत्रों में उगाया जाता है। (v) नहर सिंचाई और नलकूपों के घने नेटवर्क के विकास ने पंजाब और हरियाणा जैसे कम वर्षा वाले क्षेत्रों में चावल उगाना संभव बना दिया है।	
36	Answer: Power-sharing is a vital ingredient of any constitution. Power-sharing ensures that there is an optimum balance between different sections in the society. Each and every state should have some form of power-sharing. The chances of opportunity to every citizen increases. Power-sharing has its own value in a democracy. This ensures the stability of political order. Forms of power-sharing There are different forms of power-sharing in modern democracies which are listed below: ❖ Horizontal distribution of power: • Power is shared among different organs of government, such as the legislature, executive and judiciary. Example – India This distribution ensures that none of the organs can exercise and utilise unlimited power. • Each and every organ keeps an eye on the others. • This system of arrangement is called a system of checks and balances. ❖ Vertical distribution of power: • Power can be shared among governments at different levels. • A general central government for the entire country and governments at the provincial or state and regional level. • Example – India Union Government that is Central government and State Government. ❖ Power-sharing between different social groups: This can be achieved by sharing the power between different social groups enhancing the participation in democratic and power systems. Reservation is a such policy. ❖ Power-sharing between political parties, pressure groups and movements: • This kind of power-sharing competition ensures that power	5

	does not remain in one hand. • For longer duration, power is shared among different political parties that represent different ideologies and social groups. • Certain Interest groups like businessmen, farmers, traders etc. will also have a share in governmental power either by participating directly through committees or indirectly by influencing the decision- making process. उत्तर: शक्ति-साझाकरण किसी भी संविधान का एक महत्वपूर्ण घटक है। शक्ति-साझाकरण यह सुनिश्चित करता है कि समाज में विभिन्न वर्गों के बीच एक इष्टतम संतुलन हो। प्रत्येक राज्य में शक्ति-साझाकरण का कोई न कोई रूप होना चाहिए। हर नागरिक को अवसर मिलने की संभावना बढ़ जाती है। लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी का अपना महत्व है। यह राजनीतिक व्यवस्था की स्थिरता सुनिश्चित करता है। सत्ता-साझाकरण के रूप आधुनिक लोकतंत्रों में शक्ति-साझाकरण के विभिन्न रूप हैं जो नीचे सूचीबद्ध हैं: □ शक्ति का क्षैतिज वितरण: • सत्ता सरकार के विभिन्न अंगों, जैसे विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच साझा की जाती है। उदाहरण - भारत यह वितरण सुनिश्चित करता है कि कोई भी अंग असीमित शक्ति का प्रयोग और उपयोग नहीं कर सकता है। • प्रत्येक अंग दूसरे पर नजर रखता है। • व्यवस्था की इस प्रणाली को नियंत्रण और संतुलन की प्रणाली कहा जाता है। □ शक्ति का लंबवत वितरण: • विभिन्न स्तरों पर सरकारों के बीच सत्ता का बंटवारा किया जा सकता है। • पूरे देश के लिए एक सामान्य केंद्र सरकार और प्रांतीय या राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर सरकारें। • उदाहरण – भारत संघ सरकार अर्थात केंद्र सरकार और राज्य सरकार। □ विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच शक्ति-साझाकरण: इसे विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच शक्ति साझा करके लोकतांत्रिक और सत्ता प्रणालियों में भागीदारी बढ़ाकर प्राप्त किया जा सकता है। आरक्षण एक ऐसी नीति है। □ राजनीतिक दलों, दबाव समूहों और आंदोलनों के बीच सत्ता की साझेदारी: • इस प्रकार की शक्ति-साझाकरण प्रतियोगिता यह सुनिश्चित करती है कि सत्ता एक हाथ में न रहे। • लंबी अवधि के लिए, सत्ता विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच साझा की जाती है जो विभिन्न विचारधाराओं और सामाजिक समूहों का प्रतिनिधित्व करते हैं। • व्यवसायी, किसान, व्यापारी आदि जैसे कुछ हित समूहों की भी या तो समितियों के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से भाग लेकर या निर्णय लेने की प्रक्रिया को प्रभावित करके अप्रत्यक्ष रूप से सरकारी सत्ता में हिस्सेदारी होगी। OR There are many challenges faced by Political parties which are explained below:	

	• Lack of internal democracy within parties is the first challenge. • Decisions are taken in the name of the party, by leaders having more power. • Personal loyalty to the leader becomes more important than the loyalty to party policies and principles. • Due to the system of succession due to dynasty in the political parties, ordinary and hardworking party members are unable to rise to the top. • A transparent and an open system of functioning is not followed by political parties, which prevents deserving party members from rising to the top. • Members of just one family hold complete control in many parties. This is not fair to other members of that party**.** • The other important challenge is, during elections there is a rising role of muscle power and money power in political parties. • Candidates who can raise lots of money or those who have lots of money are usually nominated by the Political Parties. • Political parties have supported many criminals for contesting elections.. • Decisions and policies of the political parties are usually influenced by organizations or rich people who give funds to the party. • Not giving meaningful choice to the voters is the fourth challenge that is often faced by political parties. राजनीतिक दलों के सामने कई चुनौतियाँ हैं जिनका वर्णन नीचे किया गया है: • पार्टियों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र की कमी पहली चुनौती है। • पार्टी के नाम पर निर्णय अधिक शक्ति वाले नेताओं द्वारा लिए जाते हैं। • पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों के प्रति वफादारी की तुलना में नेता के प्रति व्यक्तिगत वफादारी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। • राजनीतिक दलों में वंशवाद के कारण उत्तराधिकार की व्यवस्था के कारण पार्टी के साधारण और मेहनती सदस्य शीर्ष तक नहीं पहुंच पाते हैं। • राजनीतिक दलों द्वारा कार्य करने की एक पारदर्शी और खुली प्रणाली का पालन नहीं किया जाता है, जो पार्टी के योग्य सदस्यों को शीर्ष पर जाने से रोकता है। • एक ही परिवार के सदस्य कई दलों पर पूरा नियंत्रण रखते हैं। यह उस पार्टी के अन्य सदस्यों के लिए उचित नहीं है। • दूसरी महत्वपूर्ण चुनौती यह है कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों में बाहुबल और धनबल की भूमिका बढ़ती जा रही है। • उम्मीदवार जो बहुत सारा पैसा जुटा सकते हैं या जिनके पास बहुत पैसा है, उन्हें आमतौर पर राजनीतिक दलों द्वारा नामित किया जाता है। • चुनाव लड़ने के लिए राजनीतिक दलों ने कई अपराधियों का समर्थन किया है.. • राजनीतिक दलों के निर्णय और नीतियां आमतौर पर उन संगठनों या अमीर	

	लोगों से प्रभावित होती हैं जो पार्टी को चंदा देते हैं। • मतदाताओं को सार्थक विकल्प न देना चौथी चुनौती है जिसका अक्सर राजनीतिक दलों को सामना करना पड़ता है।	
37	The social life of the Indus Valley people was quite systematic and rich. The people of this civilization were peace-loving. The society was predominantly matriarchal. There were strong family organisations among the people. Social amusements included hunting wild animals, bullfighting, fishing, and clay modeling. **Food:** Food was mainly supplied from cities, and rice was probably grown in the Indus valley. Vegetables such as peas, sesamoids and fruits like date palms were part of the main food of the civilization. Other important foods consumed were wheat, barley, rice, milk, and others. Non-veg food items such as beef, mutton, pork, poultry, fish etc., were also consumed by the people of the Indus Valley Civilization. Agriculture was the main occupation of these people. **Pottery:** Pottery or metals like copper and bronze were used in most household articles. The art of pottery was well known and learned by the people of the civilization, and it attained excellence at Mohenjo-Daro. **Clothing:** The most common material used was cotton fabric, but wool was also used. The dresses of the people of the Indus valley were simple. Males wore shawls and modern dhoti, and women wore traditional dhoti kurta or sarees. **Ornaments:** The people of Indus Valley Civilization were very fond of ornaments. Males and females of all classes wore necklaces, armlets, finger rings, and bangles. Nose studs, earrings, and anklets were used by women only. There was a great variety in the shape and design of these ornaments. Rich people made ornaments of gold, silver, and ivory. People were well versed in the art of cosmetics. Indus valley people knew the use of gold, silver, copper, tin, lead, and bronze. **Education and literacy** The people were well educated, and the dominant population of the Indus people are assumed to be literate. People were well versed in literature, art and music. The drainage system of the civilization speaks of its cleanliness and public hygiene. सिंधु घाटी के लोगों का सामाजिक जीवन काफी व्यवस्थित और समृद्ध था। इस सभ्यता के लोग शांतिप्रिय थे। समाज मुख्यतः मातृसत्तात्मक था। लोगों के बीच मजबूत पारिवारिक संगठन थे। सामाजिक मनोरंजन	5

	में जंगली जानवरों का शिकार, सांडों की लड़ाई, मछली पकड़ना और क्ले मॉडलिंग शामिल थे। खाना: मुख्य रूप से शहरों से भोजन की आपूर्ति की जाती थी, और चावल शायद सिंधु घाटी में उगाया जाता था। मटर, तिल जैसी सब्जियां और खजूर जैसे फल सभ्यता के मुख्य भोजन का हिस्सा थे। खपत किए जाने वाले अन्य महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थ गेहूं, जौ, चावल, दूध और अन्य थे। सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों द्वारा मांसाहारी खाद्य पदार्थ जैसे बीफ, मटन, पोर्क, पोल्ट्री, मछली आदि का भी सेवन किया जाता था। इन लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि था। मिट्टी के बर्तन: अधिकांश घरेलू सामानों में मिट्टी के बर्तनों या धातुओं जैसे तांबे और कांसे का उपयोग किया जाता था। मिट्टी के बर्तनों की कला सभ्यता के लोगों द्वारा अच्छी तरह से जानी और सीखी गई थी, और इसने मोहनजोदड़ो में उत्कृष्टता प्राप्त की। कपड़े: उपयोग की जाने वाली सबसे आम सामग्री सूती कपड़े थी, लेकिन ऊन का भी इस्तेमाल किया गया था। सिन्धु घाटी के लोगों का पहनावा सादा होता था। पुरुषों ने शॉल और आधुनिक धोती पहनी थी, और महिलाओं ने पारंपरिक धोती कुर्ता या साड़ी पहनी थी। आभूषण: सिंधु घाटी सभ्यता के लोग गहनों के बहुत शौकीन थे। सभी वर्गों के नर और मादा हार, बाजूबंद, अंगुलियों में अंगूठियां और चूड़ियां पहनते थे। नाक के स्टड, झुमके और पायल का इस्तेमाल केवल महिलाओं द्वारा किया जाता था। इन गहनों के आकार और डिजाइन में काफी विविधता थी। धनी लोग सोने, चाँदी और हाथी दाँत के आभूषण बनाते थे। लोग सौंदर्य प्रसाधन की कला में पारंगत थे। सिंधु घाटी के लोग सोना, चांदी, तांबा, टिन, सीसा और कांसे का उपयोग जानते थे। शिक्षा और साक्षरता लोग अच्छी तरह से शिक्षित थे, और सिंधु लोगों की प्रमुख आबादी को साक्षर माना जाता है। लोग साहित्य, कला और संगीत के अच्छे जानकार थे। सभ्यता की जल निकासी प्रणाली इसकी स्वच्छता और सार्वजनिक स्वच्छता की बात करती है। OR The following were the reasons for the decline of Saraswati-Sindhu Civilization: 1. **Administrative Slackness**: By the end of the phase,there was a laxity in the administration of the civilization,due to which the size of the settlements became limited. **2. Floods :** Evidences of floods has been found from the excavations of Mohenjo-Daro,Chaunhdaro and Lothal. **3.Climate Change:** climate change is also major reason in the	

	decline of this civilization. **4. Epidemic:** From the study of 42 human skeletons obtained from Mohenjo-Daro,it is found that 41 of these people died due to epidemics like malaria etc. **5. Obstacles in Foreign Trade:** There was a decrease in foreign trade of the civilization due to which economic condition started weakening. सरस्वती-सिंधु सभ्यता के पतन के निम्नलिखित कारण थे: 1. प्रशासनिक शिथिलता – काल के अंत तक सभ्यता के प्रशासन में शिथिलता आ गई, जिसके कारण बस्तियों का आकार सीमित हो गया। 2. बाढ़ : मोहनजोदड़ो, चौन्हाड़ो तथा लोथल की खुदाई से बाढ़ के प्रमाण मिले हैं। 3. जलवायु परिवर्तन: जलवायु परिवर्तन भी इस सभ्यता के पतन का प्रमुख कारण है। 4. महामारी : मोहनजोदड़ो से प्राप्त 42 मानव कंकालों के अध्ययन से पता चलता है कि इनमें से 41 व्यक्तियों की मृत्यु मलेरिया आदि महामारियों के कारण हुई थी। 5. विदेश व्यापार में बाधाएँ – सभ्यता के विदेशी व्यापार में कमी आने लगी जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगी।	
38	a). Engaland France b) Bhakhra nangal Dam is in Himachal Pradesh Cochin Port is in Kerela Bhilai Iron and Steel plant is in Chhattisgrh. a) इंग्लैंड फ्रांस b) भाखड़ा नंगल बांध हिमाचल प्रदेश में है कोचीन पोर्ट केरल में है भिलाई आयरन एंड स्टील प्लांट छत्तीसगढ़ में है।	2+3=5